>**Title:** Problems faced by the sugar-cane growers in Uttar Pradesh.

अध्यक्ष महोदय : तब एक भी दूसरा विाय नहीं आयेगा, जो अच्छी बात नहीं है। आप लोगों ने जो नियम दिया है, उस नियम के अनुसार मैं काम करना चाहता हूं। इसलिए मैं चाहता हूं कि अभी मेरे सामने श्री राम नगीना मिश्र का किसानों का विाय है। इसके साथ मैं दो विाय और ले रहा हूं। एक विाय श्री धर्मराज सिंह पटेल का है - Problems faced by Sugar-cane growers in Uttar Pradesh. दूसरा विाय मेरे सामने श्री अवतार सिंह भडाना का है - Problems faced by Sugar-cane growers in U.P. अभी इन वियों पर चर्चा होगी, उसके बाद आपका विाय लेंगे।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : सब विाय एक साथ नहीं लिए जा सकते।

â€¦ (व्यवधान)

SHRI K. YERRANNAIDU (SRIKAKULAM): Mr. Speaker, Sir, please allow me to raise an important issue regarding the need to take necessary steps for release of Indian fishermen detained by Pakistan authorities. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : मैं दो-तीन विाय लेने को तैयार हूं। अगर आप सब लोग ऐसे ही बोलते रहेंगे तो कोई विाय नहीं आयेगा। मैं एक बजे हाउस एडजर्न करूंगा। देखिये यह किसानों का प्रश्न है।

13.00 hrs.

अगर आप नहीं चाहते हैं तो मैं हाउस एडजर्न कर दूँगा और सभी का नुकसान होगा। मैंने राम नगीना मिश्र जी का नाम पुकारा है। राम नगीना जी, आप बोलिये।

...(व्यवधान)

श्रीमती रेनु कुमारी (खगड़िया) : महिलाओं पर कोई चर्चा नहीं होगी? â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : राम नगीना जी, आप बोलिये।

श्री राम नगीना मिश्र : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको धन्यवाद दे रहा हूँ कि आपने इतना महत्वपूर्ण विाय उठाने का मुझे मौका दिया। आज उत्तर प्रदेश का किसान कराह रहा है। â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : दिल्ली में एक कालेज की छात्रा के साथ बलात्कार की घटना हुई है। मैंने उसके संबंध में नोटिस दिया है। वह इतना महत्वपूर्ण सवाल है, उसको आप नहीं ले रहे हैं। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कोई समझे कि मैं ऊंची आवाज में बोलूँगा तो मैं इजाज़त दूंगा, ऐसी बात नहीं है। मैं नंबर से बुला रहा हूँ।

श्री राम नगीना मिश्र : महोदय, उत्तर प्रदेश की आबादी 16 करोड़ से अधिक है। वहां की मुख्य फसल गन्ना है। वहां 125 मिलें हैं। आज वहां की स्थिति नाज़ुक है। वहां सारी मिलों ने इंकार कर दिया कि हम मिल नहीं चलाएंगे। उत्तर प्रदेश की सरकार ने गत वर्ा 95 रुपये प्रति क्विंटल गन्ने का रेट फिक्स किया था। उसने कहा कि हम दाम नहीं बढ़ाएंगे। जो पिछले साल था, वह रेट देना अनिवार्य होगा। इस बार प्राइवेट मिलों ने उस रेट पर गन्ना लेने से इंकार कर दिया है। इसके खिलाफ उन्होंने हाई कोर्ट से स्टे ले लिया है। प्राइवेट मिलों का कहना है कि हम 64 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक दाम नहीं देंगे। उत्तर प्रदेश का किसान कराह रहा है। अरबों रुपया मिलों पर बकाया है। केवल मेरे जनपद में एक अरब रुपया बाकी है। सारी मिलें बंद हैं। आज मिलों के न चलने से हजारों-लाखों एकड़ गेहूँ जो बोया जाता है, वह भी बंद हो गया है। मुजफ्फरनगर में किसान गन्ना जला रहा है। बड़ी भयावह स्थिति है। सारी मिलें बंद हैं।

अगर मिलें बंद हो गईं तो मरने के अलावा किसानों के पास कोई चारा नहीं रह जाता है। पहले से ही अरबों रुपया बकाया है। यहां जितनी चर्चाएं होनी हैं, उनमें सबसे पहले सबसे अधिक महत्वपूर्ण चर्चा गन्ना किसानों के बारे में होनी चाहिए। मैं भारत सरकार से निवेदन करूँगा कि वह मध्यस्थता करे, गन्ने की मिलों को चलवाए और गन्ने का उचित दाम दिलवाए। महोदय, 95 रुपये प्रति क्विंटल गन्ने का दाम है। इससे कम पर गन्ना किसान गन्ना देने को तैयार नहीं है। मिलें न चलने की वजह से 30-40 रुपये क्विंटल के भाव से गन्ना लिया जा रहा है। इससे गांवों में किसानों की समस्या हो रही है। मैं मंत्री जी से चाहूँगा कि मंत्री जी अविलंब हस्तक्षेप करें और एक हफ्ते के अंदर उत्तर प्रदेश की सारी मिलें चलाने की व्यवस्था की जाए तभी जाकर किसानों का भला होगा।

श्री धर्म राज सिंह पटेल (फूलपुर) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य मिश्रा जी की बात का समर्थन करता हूँ। जहां किसान एक तरफ सूखे की चपेट में है, वहीं दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश में गन्ना बहुतायत संख्या में पैदा होता है और सबसे अधिक पूरे देश में चीनी अगर पैदा की जाती है तो उत्तर प्रदेश में पैदा की जाती है। लेकिन आज उत्तर प्रदेश का गन्ना किसान बरबादी के कगार पर है और चीनी मिल मालिक एक एसोसियेशन बनाकर गन्ना नहीं खरीद रहे हैं। किसान का गन्ना खेतों में खड़ा है और वह मजबूर है कि उसको कहां बेचे। दुख इस बात का है कि न उत्तर प्रदेश सरकार तय कर पा रही है और न केन्द्र सरकार दाम तय कर पा रही है। मामला सुप्रीम कोर्ट तक चला गया है। ऐसी स्थिति में गन्ने का किसान एक तरफ जहां सूखे से बरबाद हुआ है, वहीं दूसरी तरफ उसके गन्ना फूँके जाने की नौबत आ जाएगी और वह आत्महत्या करने को मजबूर होगा। मैं भारत सरकार से मांग करता हूँ कि तत्काल हस्तक्षेप करके गन्ने का उचित दाम जो 95 रुपये प्रति क्विंटल है, उसी दर पर खरीदने के आदेश दिये जाएं।

श्री अवतार सिंह भडाना : अध्यक्ष महोदय, देश में किसानों की दुर्दशा के बारे में जो भी विचार माननीय सदस्यों ने व्यक्त किए हैं, मैं उनसे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं। आज उत्तर प्रदेश में किसानों की जो हालत है, उसको लेकर बहुत चिन्ता है। इसी चिन्ता के कारण हमने आपको नोटिस दिया क्योंकि आने वाले दो-तीन दिन में हालत और बिगड़ने वाली है।

महोदय, आज किसान गन्ने पर निर्भर हैं। उनका सारा जीवन गन्ने पर ही चलता है। जैसा कि सदस्यों ने कहा, आज जरूरत इस बात की है कि उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए। यह सरकार जहां मिल मालिकों को बढ़ावा देने पर लगी है वहां किसान को बर्बाद करने पर तुली हुई है। आज अगर किसान को बर्बाद होने से बचाया नहीं जाएगा, तो यह देश के किसानों पर भारी अन्याय होगा।

महोदय, मैं पश्चिमी उत्तर प्रदेश से आता हूं जहां गन्ना बहुतायत में पैदा होता है। आज हालत यह है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश का किसान सड़कों पर आ गया है, उत्तेजित है और आन्दोलन पर उतारू है। मजबूरी में किसान आत्महत्या करने पर विवश है। आज जैसा कि कहा गया, वहां जो हमारी दूसरी फसल है, जिसकी बुवाई हो सकती थी, उसकी बुवाई नहीं हो सकी क्योंकि गन्ना मिल मालिकों द्वारा किसानों का गन्ना नहीं लिया गया और अभी तक गन्ना खेतों में खड़ा है। आज सरकार की गलत नीति के कारण मिल मालिक गन्ना किसानों का गन्ना नहीं ले रहा है और किसानों को मजबूरी में गन्ना खेतों में जलाना पड़ रहा है।

महोदय, एक तरफ जहां राजस्थान में किसान भूख से मर रहे हैं और पशुओं को चारा तक उपलब्ध नहीं हो रहा है वहां दूसरी तरफ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसान पशुओं के चारे को, गन्ने को खेतों में जला रहा है। यह सरकार की गलत नीतियों के कारण हो रहा है। सरकार की गलत नीतियों के कारण आज उत्तर प्रदेश का ही नहीं बल्कि पूरे देश का किसान बर्बाद हो रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गन्ने के किसानों को उनकी पेमेंट अभी तक नहीं मिली है।

महोदय, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गन्ने की सबसे ज्यादा बुवाई होती है। वहां अगर किसान अपने बच्चे को स्कूल भेजता है, तो वह गन्ने की पेमेंट पर निर्भर करता है। वहां अगर किसान की बेटी की शादी होती है, तो वह भी गन्ने की पेमेंट पर निर्भर करता है। â€¦ (व्यवधान)

SHRI ANIL BASU (ARAMBAGH): Sir, students from various parts of the country have come to the capital, New Delhi. They are demonstrating on the streets demanding jobs for everyone. ...(*Interruptions*)

Shri Moinul Hassan has given a notice on this important subject. He should be allowed to speak.

SHRI MOINUL HASSAN (MURSHIDABAD): Sir, I have given a notice on this. ...(*Interruptions*)